

भारत सरकार  
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय  
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4036

जिसका उत्तर मंगलवार 20 मार्च, 2018 को दिया जाना है

**विद्युत चालित वाहन प्रौद्योगिकी**

**4036. श्री पी श्रीनिवास रेड्डी:**

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार विद्युत चालित वाहन प्रौद्योगिकी पर अक्रामक रूप से जोर दे रही है लेकिन कार निर्माता चिंता जाहिर कर रहे हैं कि यह चुनौतीपूर्ण होगा और विद्युत चालित कारों को भारतीय बाजार में सस्ता बनाना बहुत कठिन होगा;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) सरकार द्वारा अनुसंधान और विकास के माध्यम से विद्युत चालित कारों की बैटरी हेतु लिथियम-आयोन की जगह वैकल्पिक सामग्री की खोज के लिए क्या उपाय किए गए हैं/उपाय करने का प्रस्ताव है?

**उत्तर**

**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री  
(श्री बाबुल सुप्रियो)**

(क) और (ख): इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी के विनिर्माण को बढ़ावा देने और इसकी सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए भारी उद्योग विभाग ने दिनांक 01 अप्रैल, 2015 (चरण-I) से दो वर्षों की आरंभिक अवधि के लिए एक योजना नामतः फेम-इंडिया [भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण] तैयार की, जिसे बाद में दिनांक 31 मार्च, 2018 तक बढ़ा दिया गया इस योजना के चार घटक हैं, अर्थात् प्रौद्योगिकी विकास, मांग का सृजन, प्रौद्योगिकी मंच/अनुसंधान एवं विकास, चार्जिंग अवसंरचना और प्रायोगिक परियोजना।

बैटरी की उच्च लागत के कारण पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक बस की लागत काफी अधिक है। तथापि, इसे किफायती बनाने के लिए फेम स्कीम के तहत इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड वाहनों को मांग प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, जैसा कि योजना की राजपत्र अधिसूचना के अनुबंध-13 में विवरण है, जो भारी उद्योग विभाग की वेबसाइट ([www.dhi.nic.in](http://www.dhi.nic.in)) पर उपलब्ध है।

इसके अलावा, इस नई प्रौद्योगिकी की स्वीकार्यता/संवर्धन को समर्थ बनाने के लिए योजना के अंतर्गत प्रायोगिक परियोजना, अनुसंधान एवं विकास/प्रौद्योगिकी विकास और सार्वजनिक चार्जिंग अवसंरचना के तहत विशिष्ट परियोजनाओं का वित्तपोषण भी किया गया।

(ग): विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सूचित किया है कि चार (4) अनुसंधान समूह (इसरो, सीएसआईआर, एआरसीआई और आईआईटी मुंबई) लिथियम ऑयन बैटरी प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान कर रहे हैं, उन्हें कम लागत वाली लिथियम ऑयन बैटरी और बैकल्पिक बैटरियों के लिए सहयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

\*\*\*\*\*